INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

①
22-9-08

विजय उराँव

Attested by
22-9-08

ह0- विजय उराँव
22/09/08

46 I ...
... 1899 की ...
23 ... 'A' With the Permission
By L.R.Dc. Simdega. vide
Case No 117/08-09
Order dt. 26.8.08.

22-9-08

§1§ लेख्यकारी:- श्री विजय उराँव पिता स्व0 रेमजुस उराँव जाति- उराँव, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम- खिजरी, हाल मोकाम गोतरा मरियमपुर, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा ।

...... विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 665/2008

ह0 साक्षी - अनिल ...
पिता श्री ...
ग्राम - गोतरा मरियमपुर
थाना + जिला - सिमडेगा
22/09/08

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

{2} क्रेयधारिणी:- श्रीमति ज्योति सोरेंग पति श्री जेराल्ड सोरेंग, जाति- खड़िया, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम- सिकरियाटांड़, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 666/2008

{3} क्रेयप्रकार:- विक्रय पत्र बेवाला बैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

{4} मूल्य:- मो बलिग दो लाख उनतीस हजार रुपये अंके 2,29,000/- रुपये होता है ।

{5} सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- खिजरी गुरुपुर थाना- सिमडेगा, थाना नं0 105, सदर रजिस्ट्री ऑफिस जो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 96 {छियानबे} प्लॉट नं0 2224 {बाईस सौ चौबीस} रकबा 0.55 एकड़ में से 0.12 एकड़ {बारह डिसमिल} वो प्लॉट नं0 2225 {बाईस सौ पच्चीस} रकबा 0.21 एकड़ में से 0.14 एकड़ {चौदह डिसमिल} । कुल एक खाता का दो प्लॉट जुमला रकबा 0.26 एकड़ {छब्बीस डिसमिल} आवासीय जमिन ।

विनय उराँव 22/09/08

22/09/2008

बिक्री हुआ चौहद्दी:-

उत्तर:- विजय देव का प्लॉट चौड़ा ।

दक्षिण:- मेन रोड रोड ।

पूरब:- शान्ति राम जी का प्लॉट एवं

प्लॉट नं० 2236 का भाग ।

पश्चिम:- प्लॉट नं० 2206

मालगुजारी 10 पैसा दिया जाता सालाना ।

(1) चूँकि मुझ विक्रेता को ज़मीन खरीदने एवं घर बनाने हेतु रुपयों की ज़रूरत थी जिसकी व्यवस्था ज़मीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने क्रेतागणों से बेची ज़मीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार की ।

(2) इसलिये मैंने अपनी रज़ा से शरीर और मन की स्वस्थता में रहकर उपर लिखा मुताबिक में उक्त ज़मीन को उपर्युक्त क्रेतागणों के हाथ नकद बिक्री रुपया दाम लेकर बेचा और बेची गई ज़मीन का कुल हक हकूक एवं अधिकार सहित क्रेतागणों को उनके उत्तराधिकारियों के साथ सदा दिन के लिये हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई ज़मीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा होगा ।

Scanned with CamScanner

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

{3} मैं घोषित करता हूँ कि विक्री की जानेवाली जमीन मेरी अधिवासी जमीन है जिसके अधिवासी रैयत मैं बराबर रही आयी है । उपर्युक्त विक्री की जानेवाली जमीन की व्यावहारिक मेरे एवं अन्य के नाम से चल रही है । उक्त जमीन मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद रूप से कब्जा है और किसी प्रकार का भार या बन्धक बाकी नहीं है ।

{4} चूँकि हम उक्त पक्ष आदिवासी समुदाय के सदस्य हैं अतः जमीन बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् अपर समाहर्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 117/2008-2009 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 26.8.08 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं० 1007 दिनांक 26.8.2008 है ।

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

§5§ अब चाहिए कि लेखधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

सही - विजय उराँव
22/07/08

100Rs.

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो क्वत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - विजय उरांव
22/09/08

सही. विजय उरांव
22/09/08

प्रमाणित किया जाता है कि विजय उरांव ने अपने बायें हाथ की पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दिये। सही अरुण कुमार, अधिवक्ता ता: 22-9-2008

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन तो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

ज्योति सौरेंग
22/9/08

ह० - विजय उरांव
22/09/08

प्रमाणित किया जाता है कि श्री मति ज्योति सोरेंग ने अपने बायें हाथ की पाँचों अँगुलियों का छाप मेरे सामने दी। सही अरुण कुमार,
अधिवक्ता ता : 22-9-2008

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- अश्विनी कुमार,
अभिवक्ता
(प्रारूपकर्ता)
तारीख:- 22-9-2008

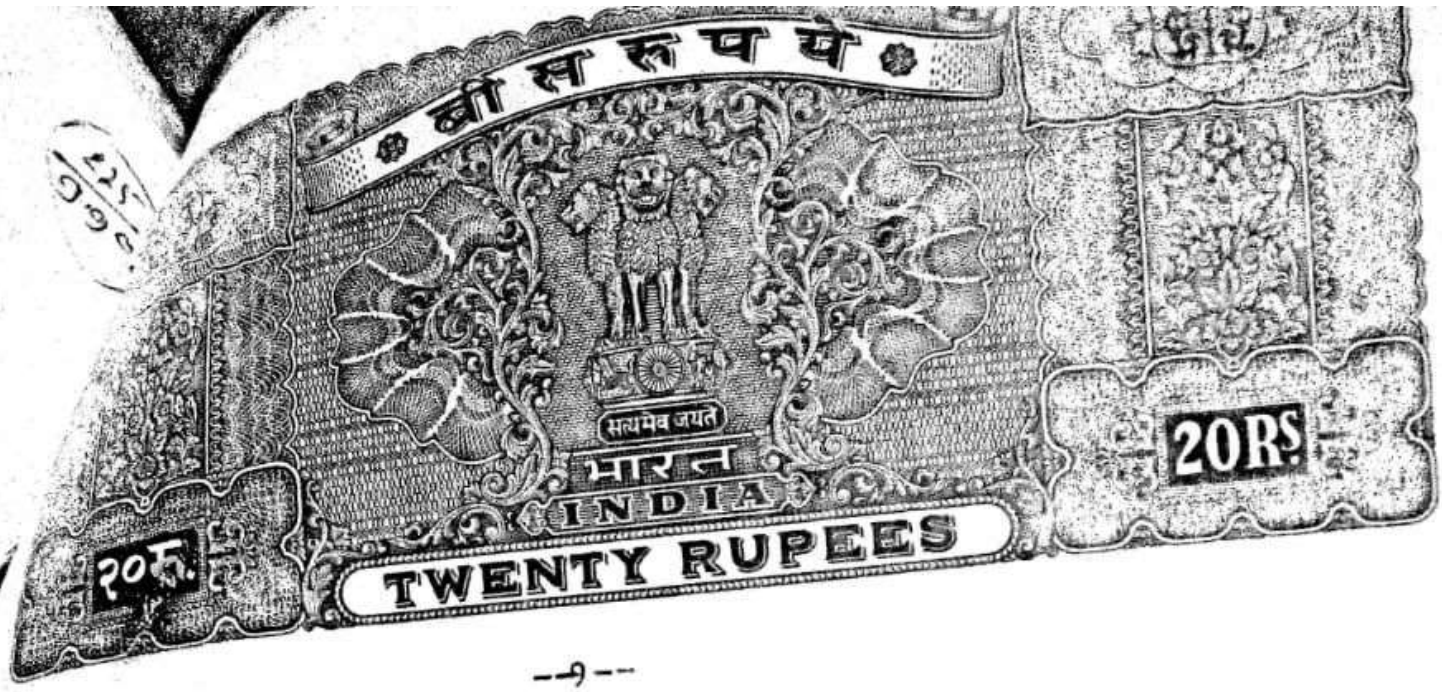

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल नौ पृष्ठों में कुल 586 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक
मो0 मकसुद
22.9.2008

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

ह0- विजय उरांव
22/09/08